Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

M. A. Philosophy (Semester: Fourth)

Philosophy

वेदान्त–मीमांसा – 4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ब्रह्मसूत्र के चतुर्थ अध्याय के तृतीयपाद के प्रतिपाद्य विषय का निरूपण करें।
2. आतिवाहिकास्तल्लिङ्गात् एवं अर्चिरादिनातत्प्रथितेः सूत्रों की ससन्दर्भ व्याख्या करें।
3. ब्रह्मोपासकों के ब्रह्मलोक गमन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालें।
4. मीमांसा दर्शन के अनुसार अर्थवाद की विवेचना कीजिए।
5. मीमांसा दर्शन के अनुसार वाक्यार्थ बोध की विशद विवेचना कीजिए।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. ब्रह्मसूत्र के चतुर्थ अध्याय के प्रथमपाद के प्रतिपाद्य विषय का संक्षिप्त निरूपण करें।
2. "वाङमनसि दर्शनाच्छब्दाच्च" – इस सूत्र की ससन्दर्भ विशद व्याख्या करें।
3. वेदान्त दर्शन के अनुसार मुक्तावस्था की स्थिति पर सप्रमाण प्रकाश डालें।
4. मरणकाल में सभी इन्द्रियां किस प्रकार सूक्ष्म शरीर में अन्तर्लीन होकर प्रयाण करती हैं? इसका सप्रमाण विवेचन करें।
5. मीमांसा दर्शन के अनुसार विधि की सप्रमाण विवेचना करें।
6. मीमांसा दर्शन के अनुसार श्रुति प्रमाण की विशद विवेचना करें।

खण्ड–स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×0.5=05)**

1. वेदान्त दर्शन का प्रथम सूत्र है .....
(अ) अथातो धर्मजिज्ञासा (ब) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा
(स) ईक्षतेर्नाशब्दम् (द) श्रुतत्वाच्च

2. वेदान्त दर्शन का अन्तिम सूत्र है .....
(अ) प्रकरणाच्च (ब) रूपोन्यासाच्च
(स) आमनन्ति चैनमस्मिन् (द) अनावृत्तिः शब्दादनावृत्तिः शब्दात्

3. वेदान्त दर्शन के अनुसार अविद्या है .....
(अ) भावरूप (ब) अभावरूप
(स) नित्य (द) ब्रह्म

4. मण्डनमिश्र का सम्बन्ध है .....
(अ) वेदान्त दर्शन से (ब) मीमांसा दर्शन से
(स) न्याय दर्शन से (द) सांख्य दर्शन से

5. वेद को प्रमाणरूप में नहीं मानता है .....
(अ) न्याय दर्शन (ब) वेदान्त दर्शन
(स) योग दर्शन (द) बौद्ध दर्शन

6. मीमांसा दर्शन का प्रथम सूत्र है .....
(अ) अथ योगानुशासनम् (ब) अथ शब्दानुशासनम्
(स) अथातो धर्मजिज्ञासा (द) अथातो ब्रह्मजिज्ञासा

7. अर्थसंग्रह के रचयिता है .....
(अ) आपदेव (ब) ब्रह्ममुनि
(स) गदाधर (द) लौगाक्षिभास्कर

8. "सोमेन यजेत" यह विधि है .....
(अ) नियम विधि (ब) परिसंख्याविधि
(स) अधिकार विधि (द) विशिष्टविधि

9. मीमांसा दर्शन के अनुसार वेद है .....
(अ) पौरुषेय (ब) अपौरुषेय
(स) अनित्य (द) ईश्वरप्रणीत

10. मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक आचार्य है .....
(अ) बादरायण (ब) गौतम
(स) जैमिनि (द) कणाद

----------x----------